Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—0806

PAPER—III

COMMERCE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

COMMERCE

वाणिज्य

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज़्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निज़्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following and answer the questions from 1 to 5.

NBFCs NEED REGULATION ; BUT NOT A STRANGLE HOLD

The Reserve Bank of India's draft guidelines seeking to tighten regulations applicable to Non-Banking Finance Companies (NBFCs) reflect the apex bank's desire to prevent bank funds from fuelling any stock market bubble. The RBI must, however, not starve NBFCs of funds, as they deliver crucial credit to many under banked segments such as small and medium enterprises. The draft guidelines have pointed out the lax regulatory regime enjoyed by NBFCs, particularly the ones not raising public deposits - NBFCs-ND. They can easily raise funds from banks and, in the absence of any capital adequacy requirements, gear up to any level. Yet, apart from 'exception reports' that auditors are required to file in the event of violations, the apex bank has little knowledge of what NBFCs-ND are upto. The RBI's supervisory system is critically dependent on the vigilance exercised by the institutions funding such NBFCs. This has systemic implications that certainly need to be addressed, the more so when many NBFCs-ND are predominantly investment companies with significant capital market exposure. However, the proposed solutions such as putting a cap on bank funding or counting the entire exposure to the capital market would deny bank funds to even those NBFCs-ND without any stock market exposure. Limiting this provision, on the other hand, to investment and broking NBFCs raises monitoring issues. Imposing a capital requirement on NBFCs, as recommended, is a more feasible and systemic solution.

Another issue relates to NBFC Subsidiaries of banks, particularly foreign ones. Through their NBFC subsidiaries, banks can undertake transactions prohibited in part or full. Consolidated supervision of the parent bank and the NBFC subsidiary is indeed the way to check this regulatory arbitrage. Banking is tightly supervised because public funds are involved. By that principle, there is no case for excluding the NBFC business of banks that is indirectly dependent on public deposits.

निज़्न को पढ़िए तथा 1 से 5 तक के प्रश्नों के उज़र लिखें।

एन. बी. एफ. सीज को विनियमित करने की आवश्यकता है, कठोर नियंत्रण की नहीं।

नॉन-बैंकिंग फाइनांस कंपनीज (एन.बी.एफ.सीज) पर लागू होनेवाले विनियमों को अधिक कड़ा बनाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए दिशानिर्देशों के प्रारुप में इस शीर्ष बैंक की यह मंशा प्रतिबिंबित होती है कि स्टॉक-बाज़ार के गुज़्बारे को फुलाने के लिए बैंकों की निधियों के उपयोग पर रोकथाम लगाई जाय। आर.बी.आई. को चाहिए वह एन.बी.एफ.सीज को निधि देना कम या बंद न करें, ज़्योंकी बैंकों द्वारा न्यून रूप से पोषित अनेक इकाइयों, जैसे लघु तथा मध्यम आकार के उद्यमों, को वे उधार देते हैं जिससे उनकी स्थिति नाजुक होने से बची रहती है। दिशानिर्देशों के इस प्रारूप में टैज़्स रेगुलेटरी रिजाइम का उल्लेख है जिसका आनंद एन.बी.एफ.सीज ने विशेषता, उन एन.बी.एफ,सीज ने जो लोक-जमा द्वारा धन नहीं जुटाते। आसानी से वे बैंको से धन या निधि जुटा सकते हैं, तथा पर्याप्त पूंजीपुरक जरूरतों के अभाव में, उसे किसी स्तर तक काम में लगा सकते हैं। फिर भी, 'अपवाद प्रतिवेदनों', जिन्हें किसी नियम के उल्लंघन की स्थिति में फाइल करना लेखा परीक्षकों से अपेक्षित है, के अलावा शीर्ष बैंक को इस बात की बहुत कम जानकारी होती है कि एन.बी.एफ.सीज-एन.डी ज़्या कर रहे हैं। आर.बी.आई की पर्यवेक्षण प्रणाली ऐसे एन.बी.एफ.सीज को निधि उपलज़्ध कराने वाले संस्थानों की सतर्कता पर नाजुक रूप से निर्भर होती है। इसकी क्रमबद्धता निहितार्थ हैं जिन पर ध्यान देना होगा। ऐसा करना इसलिए अधिक आवश्यक है ज़्योंकि अनेक एन.बी.एफ.सीज-एन.डी. प्रधानतया निवेशक कंपनियाँ हैं जिन्हें पूंजी बाज़ार की अच्छी जानकारी होती है। परन्तु बैंक द्वारा निधि उपलज़्द कराने पर अंकुश लगाना अथवा पूंजी बाज़ार की सारी जानकारी की गिनती करना जैसे प्रस्तावित समाधानों के चलते उन एन.बी.एफ.सीज-एन.डी को

भी निधियों की आपूर्ज़ि को नकार दिया जाएगा जो स्टाक बाज़ार से जुड़े क्रियाकलापों में संलग्न नहीं हैं। दुसरी ओर, इस प्रावधान को निवेश तथा दलाली कार्य में संलग्न एन.बी.एफ.सीज तक परिसीमित करने से मानीटरिंग संबंधी मुद्दे भी उठते हैं। एन.बी.एफ.सीज पर पूंजीपरक अपेक्षाएँ लगाना, जिसकी सिफारिश की गई है, एक अधिक व्यावहारिक तथा सुनियोजित समाधान है।

एक अन्य मुद्दा बैंकों की एन.बी.एफ.सी. सज़्सिडियरीज-विशेष रूप से ऐसी विदेशी सज़्सिडियरीज-से संबंधित है। अपनी एन.बी.एफ.सी. के माध्यम से बैंक लेन-देन पर रोक लगा सकते हैं। पितृ-बैंक तथा एन.बी.एफ.सी. सबसिडियरीज का दृढ़ पर्यवेक्षण निसंदेह विनियमित अंतरपरण पर अंकुश लगाने का सही रास्ता है। बैंकों के कार्य का कठोर पर्यवेक्षण होना चाहिए ज़्योंकि उनमें लोगों का धन लगा है। इस सिद्धांत का अनुसरण करने पर एन.बी.एफ.सी. जो अप्रत्यक्ष रूप से लोगों द्वारा जमा की गई राशि पर निर्भर हैं, के कार्यव्यापार को वर्जित करने का कोई मामला नहीं बनता।

1. What is the objective of RBI to tighten NBFC Regulations ?
एन. बी. एफ. सी. विनियमों को कठोर बनाने के पीछे आर. बी. आई का ज़्या उद्देश्य हैं।

2. Why is it that a NBFC-ND can easily raise funds from banks ?

ऐसा ज़्यों है कि एन. बी. एफ. सी. - एन. डी. बैंकों से आसानी से धन जुटा सकते हैं ?

3. How has it become easy for a NBFC to raise finance ?

एन. बी. एफ. सी. के लिए धन जुटाना आसान ज़्यों है ?

4. What is the more feasible and systematic solution for controlling NBFCs ?

एन. बी. एफ. सीज. के नियंत्रण के लिए बेहतर व्यावहारिक तथा सुनियोजित समाधान ज़्या है ?

5. "NBFCs, which are subsidiaries of banks, can be excluded from supervision and control"- Comment.

''बैंको के सबसीडियरी एन. बी. एफ. सीज. को पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण से परे रखा जा सकता हैं''। टिप्पणी करें।

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Define a consumer according to Consumer Protection Act.

'कंज्यूमर प्रोटेज़्शन ऐज़्ट' के आधार पर 'उपभोज़्ता' की परिभाषा दें।

7. What do you mean by Second Generation Reforms ?

द्वितीय पीढ़ी के सुधारों से आप ज़्या समझते हैं ?

8. State the meaning of Deferred Revenue Expenditure with two examples.

'डेफर्ड रेवेन्यु एज़्सपेंडीचर' का अर्थ दो उदाहरणों सहित बताएँ।

9. Distinguish between individual demand and market demand.

व्यज़्तिगत मांग तथा बाज़ार मांग के बीच अंतर बताएँ।

10. Explain briefly the characteristics of the Law of Variable Proportions.

लॉ ऑफ वेरिएबुल प्रोपोर्शन्स की विशेषताओं की संक्षिप्त व्याज़्या कीजिए।

11. Outline the applications of computer in the area of Inventory Control.

इंवेंट्री कंट्रोल के क्षेत्र में कंप्यूटर के अनुप्रयोग का वर्णन करें।

12. Explain the characteristics of Leadership.

नेतृत्व की विशेषताओं की व्याज़्या करें।

13. Explain the Maslow's need hierarchy theory of motivation.

मास्लो की नीड हायरार्की थियरी ऑफ मोटिवेशन की व्याज़्या करें।

14. Mention the techniques of Product-Mix.

'प्रोडज़्ट-मिज़्स' में किन तकनीकों का उपयोग किया जाता हैं। इनका उल्लेख करें।

15. What is 'Trading on Equity' ? When does a company become a highly leveraged company ?

'ट्रेडिंग ऑन इक्वीटी' ज़्या है ? कोई कंपनी कब एक अत्यधिक लिवरेज्ड कंपनी हो जाती है।

16. What kind of dividend policy will you recommend for a new and growing company ? Give reasons for your answer.

एक नई तथा विकासशील कंपनी के लिए आप किस प्रकार की लाभांश नीति की सिफारिश करेंगे ? अपने उज़र के पक्ष में दलील दीजिए।

17. What are the objectives of Social Security ?

सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य ज़्या है ?

18. Define E-banking ?

इ-बैंकिंग की परिभाषा दें।

19. Explain an important scheme launched by SIDBI for the upgradation of SME sector.

एस. एम ई. सेज़्टर को ऊपर उठाने के लिए 'सिडबी' द्वारा चलाई गई एक महत्वपूर्ण योजना की व्याज़्या करें।

20. What are the main objectives of EXIM Bank ?

एज़्ज़िम बैंक के मुज़्य उद्देश्य ज़्या हैं ?

SECTION - III

खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज़्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उज़र देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प—I

(Accounting and Finance)

(लेखांकन तथा विज़)

21. State the need for Accounting Standard. Explain the process of standard setting in India.

लेखांकन मानक की आवश्यकता का उल्लेख करें। भारत में मानकों के निर्माण की प्रक्रिया की व्याज़्या करें।

22. Why do we need HRA ? Which method of HRA will you recommend and why ?

मानव संसाधन लेखांकन की हमें ज़्यों आवश्यकता है? मानव संसाधन लेखांकन के लिए आप किस विधि की सिफारिश करेंगे और ज़्यों?

23. "Finance Minister of India -Mr. Chidambaram has suggested that a small investor should come to Capital Market via Mutual Fund". Do you agree ? Give reasons.

''भारत के विज़ मंत्री श्री चिदज़्बरम ने यह सुझाव दिया है कि एक लघु-निवेशक को पूँजी बाज़ार में 'ज़्युचुअल फंड' के माध्यम से आना चाहिए''। ज़्या आप सहमत हैं? कारण बताएँ।

24. Discuss different kinds of new instruments used by companies to raise finance.

धन जुटाने के लिए कंपनियों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न नये इंस्ट्रुमेंट्स की चर्चा करें।

25. Explain the application of Computers in Accounting.

लेखांकन में कंप्युटर के अनुप्रयोग की व्याज़्या करें।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प—II

(Marketing)

(विपणन)

21. Discuss the important steps to be taken by the marketing manager for launching a new consumer product in the market.

बाज़ार में एक नवीन उपभोक्ता उत्पाद लाने के लिए विपणन मैनेजर को कौन से महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए। चर्चा करें।

22. What is Market Penetration ? Discuss its application with an appropriate example.

'बाज़ार में पैठ' से आप ज़्या समझते हैं ? एक उपयुज़्त उदाहरण देकर इसके अनुप्रयोग की चर्चा करें।

23. What is On-line Marketing ? Discuss its advantages and disadvantages.

ऑन-लाइन विपणन ज़्या हैं ? इसके लाभ तथा हानियों की चर्चा कीजिए।

24. Discuss the various stages of Product Life Cycle.

उत्पाद जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं की चर्चा कीजिए।

25. Define Advertising. How will you evaluate the effects of advertising ?

विज्ञापन-कार्य की परिभाषा दें। विज्ञापन के प्रभावों का मूल्यांकन आप कैसे करेंगे।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प—III

(Human Resource Management)

(मानव संसाधन प्रबन्ध)

21. Explain the role and functions of HR Manager.

मानव संसाधन प्रबंधक की भूमिका तथा कार्यों की व्याज़्या करें।

22. What do you mean by worker's participation in management ? Explain the various forms of workers' participation in management.

प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी से आप ज़्या समझते हैं ? प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी के विविध स्वरूपों की व्याज़्या करें।

23. Explain different methods of settlement of industrial disputes in India.

भारत में औद्योगिक विवादों के निपटारे की विभिन्न विधियों की व्याज़्या करें।

24. Define the concept of performance appraisal and discuss any two of its methods.

परफार्मेंस अप्रेजल के विचार को परिभाषित करें और इसकी किन्हीं दो विधियों की चर्चा करें।

25. Define job analysis. Explain the importance of job analysis.

जॉब एनालिसिस की परिभाषा दें। जॉब एनालिसिस के महत्व की व्याज़्या करें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प—IV

(International Business)

(अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार)

21. Critically examine the relevances of MNCs culture for a developing country like India .

भारत जैसे विकासशील देश के लिए बहु-देशीय कंपनियों की संस्कृति के औचित्य का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

22. Discuss the issues of disputes between Indian Economic Policy and WTO.

भारतीय अर्थिक नीति तथा विश्व व्यापार संगठन के बीच विवाद के मुद्दों की चर्चा करें।

23. Discuss the role and functions of FII in the Indian capital market.

भारतीय पूँजी बाज़ार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भूमिका तथा कार्यों की चर्चा करें।

24. State the importance of foreign exchange rate. How will you manage risk associated with foreign exchange ?

विदेशी विनिमय दर का ज़्या महत्व है ? इससे जुड़े जोखिमों को आप कैसे संभालेंगे ?

25. Discuss the objectives and functions of SAFTA.

'साज़्टा' के उद्देश्यों तथा कार्यों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प—V

(Income-Tax Law and Tax Planning)

(आयकर तथा नियोजन)

21. How is the residential status of an individual determined ?

किसी व्यज़्ति की आवासीय स्थिति का निर्वारण कैसे किया जाता है ?

22. Differentiate between Tax evasion and Tax-avoidance with suitable examples.

उपयुज़्त उदाहरण देकर 'टैज़्स-इवेशन' तथा टैज़्स-एवायडेंस' के बीच अंतर बताएँ।

23. How is the assessment of dividends done under the Income Tax Law ?

आयकर कानून के अंतर्गत लाभांशों का निर्धारण कैसे किया जाता है ?

24. How is taxable income of an individual computed ? Explain the calculation of his tax liability with one example.

एक व्यज़्ति की करयोग्य आय की गणना कैसे की जाती है ? एक उदाहरण देकर उसके कर-दायित्व की गणना करें।

25. Discuss the tax considerations for the following business decisions :

(a) Make or Buy

(b) Invest or Disinvest

निज़्नलिखित कारोबारी निर्णयों के समय टैज़्स संबंधी ध्यान में रखी जाने योग्य बातों की चर्चा करें।

(a) बनाना या खरीदना

(b) निवेश या विनिवेश

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Outline the problems and prospects of women entrepreneurs in India.

भारत में महिला उद्यमियों की समस्याओं तथा संभावनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करें।

OR / अथवा

Discuss the impact of Union Budget 2006 - 07 on the rural economy of India.

भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर संघीय बजट 2006 - 07 के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Critically examine the implications of FDI in the retail sector of India.

भारत के रिटेल सेज़्टर में एफ.डी.आई. (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश) की विवक्षा (इंप्लिकेशन) का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....